प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 24 जनवरी, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति ने झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में सम्मिलित हुए।

माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची में आयोजित समारोह में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों के लिए आशा का केंद्र है, जो शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2021 के तहत व्यापक उद्देश्यों के साथ की गई।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्तियों, कामकाजी वर्ग,

गृहणियों और शिक्षा से वंचित अन्य लोगों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि हमारे विद्यार्थी न केवल शिक्षा प्राप्त करें, बल्कि कार्यक्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "आत्मनिर्भर भारत" और "विकसित भारत@2047" के विजन को साकार करने में विश्वविद्यालय की अहम भूमिका है।

राज्यपाल महोदय ने सभी छात्रों और शिक्षकों से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाए और आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाए। यह विश्वविद्यालय कड़ी मेहनत और समर्पण से अन्य राज्य के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। राज्यपाल महोदय ने सभी छात्रों, शिक्षकों, कर्मियों को शुभकामनाएँ दीं और झारखंड के कोने-कोने में शिक्षा के प्रकाश को फैलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

(2) माननीय राज्यपाल आज ‘राष्ट्रीय बालिका दिवस’ पर बाल कल्याण संघ, झारखंड द्वारा आड्रे हाउस में आयोजित "किशोरी महाकुंभ" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आज बाल कल्याण संघ, झारखंड द्वारा आड्रे हाउस, रांची में आयोजित "किशोरी महाकुंभ" कार्यक्रम में सभी बालिकाओं को राष्ट्रीय बालिका दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह दिवस हमारे समाज में बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। 'किशोरी महाकुंभ' बालिकाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण की दिशा में सामूहिक प्रतिबद्धता की दिशा में सार्थक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि बेटियाँ समाज का भविष्य हैं और उनका सशक्त होना ही देश की प्रगति का मार्ग है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि समाज से भेदभाव और असमानता पर समाप्त करना सभी का दायित्व है। राज्यपाल महोदय ने झारखंड की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए बाल कल्याण संघ द्वारा संचालित पुनर्वास योजनाओं की सराहना की। उन्होंने मानव तस्करी को समाप्त करने और बालिकाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए बाल कल्याण संघ द्वारा विगत कई वर्षों से किए जा रहे प्रयास हेतु बधाई दी।

राज्यपाल महोदय ने "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम है। उन्होंने झारखंड की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने, उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि हम बेटियों के लिए ऐसा माहौल तैयार करें, जिसमें वे निर्भीक होकर अपने सपनों को साकार कर सकें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

राज्यपाल महोदय ने बाल कल्याण संघ, झारखंड और इस अभियान से जुड़े सभी सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी और समाज के सभी वर्गों से बेटियों के सशक्तिकरण और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया।

---

(3) राज भवन में संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय के राज्य स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन में संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय के राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कहा कि यह समारोह हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश राज्य स्थापना दिवस है और 21 जनवरी को त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय का स्थापना दिवस था। वे 21 जनवरी को राज्य के बाहर दौरे के कारण उस दिन नहीं मनाया जा सका था और संयुक्त रूप से चारों राज्य का आज स्थापना दिवस समारोह मनाने का निर्णय लिया।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि वे स्वयं भी उत्तर प्रदेश के बरेली से आते हैं। यह प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध है। वाराणसी, अयोध्या और मथुरा जैसे स्थान देश और विश्व के लिए विशेष महत्व रखते हैं। उत्तर प्रदेश विश्वविख्यात ताजमहल से लेकर पवित्र गंगा नदी तक, दुनिया के हर कोने से लोगों को आकर्षित करता है। प्रयागराज कुंभ मेले के लिए

प्रसिद्ध है, जो हर 12 वर्षों में आयोजित होता है और करोड़ों श्रद्धालु व पर्यटक कुंभ मेले के दौरान त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने आते हैं। इस वर्ष का महाकुंभ, जो 144 वर्षों बाद आया है, करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है और देश-विदेश से लोग आ रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्य हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने त्रिपुरा के खारची और गरिया पूजा, मणिपुर के नृत्य रूपों और मेघालय की मातृसत्तात्मक परंपराओं का उल्लेख करते हुए इन्हें भारत की सांस्कृतिक विविधता की अनमोल धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर सपूत परमवीर अल्बर्ट एक्का ने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान अगरतला के निकट मातृभूमि की रक्षा करते हुए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की एक अद्भुत पहल है, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच परस्पर संवाद और समझ को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति का सम्मान करते हुए दूसरों की संस्कृति को समझने और आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ये चारों राज्य अपनी-अपनी विशेषताओं के साथ राष्ट्र की प्रगति में सतत योगदान देते रहें।

उन्होंने सभी को इन राज्यों के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएँ दीं।

उक्त अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ॰ नितिन कुलकर्णी ने कहा कि राज भवन में "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस समारोह मनाया जाता रहा है। विगत लगभग एक वर्ष से लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव के कारण नहीं मनाया जा रहा था। इसी कड़ी में आज पुनः इस कार्यक्रम के तहत इन 4 राज्यों का स्थापना दिवस समारोह मनाया जा रहा है। उन्होंने सभी से अपने कर्मभूमि के विकास में सहयोग का आह्वान किया।

उक्त अवसर पर मणिपुर, मेघालय एवं त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल का विडियो संदेश का भी प्रसारण हुआ।